

सहमति पत्र/समझौता ज्ञापन (एमओयू)

के मध्य

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईईएचई) भोपाल (म.प्र.)

और

लघु शोध केंद्र समिति

54-ए, सेक्टर-सी, बंजारी, कोलार रोड, भोपाल - 462042 (म.प्र.)

वैश्विक स्तर उच्च शिक्षा में गुणवत्ता और उत्कृष्टता में तेजी लाने की दृष्टि से आईईएचई की 30 वर्षों से अधिक की समृद्ध विरासत है और मध्य प्रदेश के शैक्षणिक परिदृश्य में एक विशेष स्थान रखती है। 1995 में अपनी स्थापना के बाद से संस्थान ने मजबूत नैतिक और सदाचार की नींव पर निर्मित अकादमिक उत्कृष्टता की संस्कृति को बनाए रखा है। यह एक स्वायत्त संस्थान है जिसे अगस्त 2023 में नैक द्वारा 8.45 के सीजीपीए के साथ ए+ग्रेड के साथ पुनः मान्यता प्राप्त है। आईईएचई विभिन्न क्षेत्रों के साथ मजबूत सहयोग के माध्यम से नवाचार, अनुसंधान, सृजन और व्यावसायिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

भागीदार लघुकथा शोध केन्द्र समिति, 2017 से स्थापित समिति है जो सृजनात्मक कौशल बढ़ाने, इंटरनशिप, शिक्षुता प्रदान करने, नवाचार को बढ़ावा देने और पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी बनाने के लिए शैक्षणिक संस्थानों के साथ जुड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।

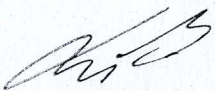
नीचे उल्लेखित पारस्परिक हितों, लाभों और उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए दोनों पक्ष निम्नानुसार सहमत हैं :

1/ वस्तुनिष्ठ

- लघुकथा में शोध कार्य को बढ़ावा देना एवं पुस्तकालय तथा प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना करना।
- साहित्य की लघुकथा विधा के उन्नयन हेतु विविध गतिविधियों का संचालन करना।
- कला, साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक सरोकारों के लिए रचनात्मक कार्य करना।
- विश्व बंधुत्व, शांति सहयोग एवं सह अस्तित्व के विचारों को प्रोत्साहित एवं संवर्धित करना।
- समाज के सभी वर्गों में व्यक्तित्व विकास एवं आत्मचेतना के विकास के लिए कार्य करना।
- महिलाओं एवं बच्चों की रचनात्मक, सृजनात्मक क्षमता के उन्नयन हेतु महिला एवं बाल विकास के संरक्षण एवं प्रशिक्षण का कार्य करना।
- विभिन्न क्षेत्रों की युवा प्रतिभाओं के विकास के लिए मंच एवं अवसर उपलब्ध करवाना।
- शिक्षा, साक्षरता, कौशल विकास शिक्षा, समाज सेवा एवं पर्यावरण संरक्षण एवं जल प्रबंधन से जुड़े कार्यों को बढ़ावा देना।

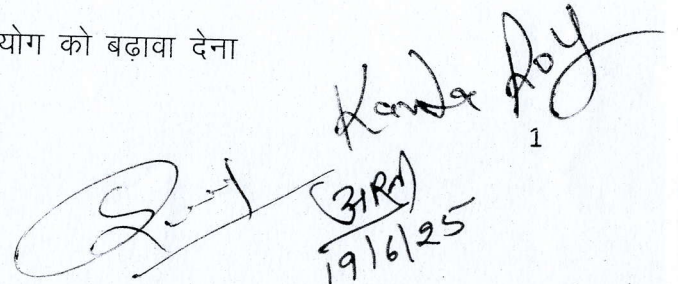
इस समझौता ज्ञापन का उद्देश्य आईईएचई और लघु कथा शोध केन्द्र के बीच सहयोग के लिए एक ढांचा स्थापित करना है :

- समिति के साथ अकादमिक बातचीत और सहयोग को बढ़ावा देना



Director

Institute for Excellence In Higher
Education Bhopal (M.P.)



(अ.प्र.)
19/6/25

- संयुक्त प्रयासों के माध्यम से नवाचार, अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करना
- साहित्यिक गतिविधियों और वैश्विक संपर्क के माध्यम से छात्रों में रोजगार और कौशल को बढ़ाएं
- छात्रों के लिए इंटर्नशिप, प्रोजेक्ट और प्लेसमेंट के अवसर प्रदान करें
- संयुक्त शैक्षणिक और अनुसंधान पहल विकसित करना

2/ सहयोग के क्षेत्र

दोनों पक्ष सहयोग के निम्नलिखित क्षेत्रों का पता लगाने के लिए सहमत हैं

- इंटर्नशिप और प्लेसमेंट शोध केन्द्र समिति भागीदार के संगठन में छात्र प्लेसमेंट की सुविधा, शोध केन्द्र संचालन और मानकों के लिए व्यावहारिक प्रदर्शन प्रदान करना
- शोध की आवश्यकता और शोध की कार्यप्रणाली के साथ पाठ्यक्रमों का संयुक्त विकास
- अनुसंधान और नवाचार शोध परियोजनाओं और नवाचारों पर सहयोग
- अतिथि व्याख्यान और कार्यशालाएं छात्रों को शोध में अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए सृजन विशेषज्ञ सत्र आयोजित करेंगे
- शोध केन्द्र का दौरा : वास्तविक दुनिया का प्रदर्शन प्रदान करने के लिए साइट विज़िट का आयोजन करना।

शोध विशेषज्ञ : अकादमिक और व्यावसायिक विकास के लिए विद्यार्थियों को परामर्श देंगे।

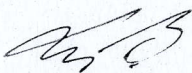
3/ भूमिकाएं और जिम्मेदारियाँ

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान (आईईएचई) होगा

- इंटर्नशिप प्लेसमेंट और सहयोगी अनुसंधान के माध्यम से शोधभागीदार के साथ छात्र जुड़ाव की सुविधा प्रदान करें।
- सुनिश्चित करें कि छात्र इंटर्नशिप या प्लेसमेंट के दौरान शोध की आवश्यकताओं का पालन करते हैं
- लघुकथा शोध केन्द्र के सहयोग से कार्यशालाओं और सेमिनारों का आयोजन करें

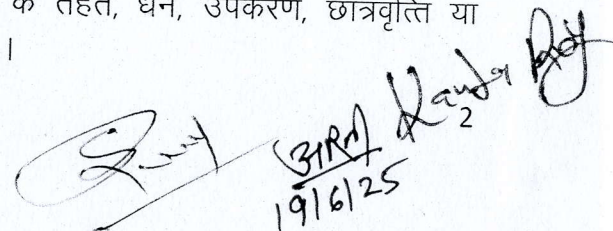
शोध भागीदार होगा

- छात्रों को इंटर्नशिप, प्लेसमेंट और वास्तविक समय शोध की चुनौतियों के संपर्क में आने के अवसर प्रदान करें
- व्याख्यान, सेमिनार और परामर्श कार्यक्रमों के माध्यम से शोध की अंतर्दृष्टि, विशेषज्ञता और रुझान साझा करें
- संयुक्त अनुसंधान में भाग लें और जहां संभव हो संसाधनों का योगदान करें
- शोध-उन्मुख पाठ्यक्रम और कौशल वृद्धि कार्यक्रमों के विकास में सहायता करें
- कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत, धन, उपकरण, छात्रवृत्ति या अन्य शैक्षिक संसाधनों के रूप में सहायता प्रदान करें।



Director

Institute for Excellence in Higher
Education Bhopal (M.P.)



19/6/25

4/ मियाद

यह समझौता ज्ञापन दो वर्ष की अवधि के लिए वैध होगा। हस्ताक्षर करने की तारीख से शुरू होकर इसे पक्षों के बीच आपसी सहमति के आधार पर बढ़ाया जा सकता है।

5/ गोपनीयता

दोनों पक्ष इस सहयोग के दौरान साझा की गई मालिकाना जानकारी के बारे में गोपनीयता बनाए रखने के लिए सहमत हैं जब तक कि अन्यथा लिखित रूप में सहमति न हो। अपवादों में कानून या नियामक अधिकारियों द्वारा आवश्यक प्रकटीकरण शामिल हो सकते हैं।

6/ बौद्धिक सम्पदा

सहयोग के दौरान बनाई गई कोई भी बौद्धिक संपदा (आईपी) संयुक्त रूप से आईईएचई और शोध केन्द्र के स्वामित्व में होगी जब तक कि एक अलग समझौते में अन्यथा निर्दिष्ट न किया गया हो। विवाद के मामले में स्वामित्व प्रत्येक पार्टी के योगदान के आधार पर निर्धारित किया जाएगा।

7/ विवाद समाधान

इस समझौते के पालन से विवाद उत्पन्न होने की स्थिति में दोनों पक्ष छात्रों के कल्याण में आपसी समझ के साथ विचार-विमर्श और बातचीत के माध्यम से मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए सहमत होते हैं

8/ समाप्ति

कोई भी पक्ष दूसरे पक्ष को 30 दिन पूर्व लिखित सूचना के साथ इस समझौता ज्ञापन को समाप्त कर सकता है। समाप्ति पर किसी भी चल रही पहल का निष्कर्ष निकाला जाएगा और किसी भी बकाया कार्यों के लिए जिम्मेदारियाँ पारस्परिक रूप से निर्धारित की जाएंगी।

प्रथम पक्षकार



(डॉ. प्रज्ञेश कुमार अग्रवाल)

प्रभारी संचालक

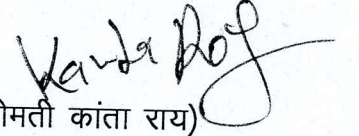
उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान

भोपाल

Institute for Excellence In Higher
Education Bhopal (M.P.)

Signed on 19.06.2025

द्वितीय पक्षकार



(श्रीमती कांता राय)

अध्यक्ष

लघुकथा शोध केन्द्र समिति

भोपाल

गवाह :

(अरती श्रीवास्तव) 19/6/25

(डॉ. अरती श्रीवास्तव)

सह. प्राध्यापक

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान

भोपाल



(डॉ. साधना पाण्डेय)

प्राध्यापक

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान

भोपाल